CASE STUDY

अपना स्वास्थ्य, अपनी पहल

सिंगोद खुर्द पंचायत
गोविन्दगढ ब्लॉक
जयपुर जिला

2017/No. 05

अच्छी स्वास्थ्य सेवाओं के बिना विकास का कोई मतलब नही

Knowledge. Voice. Democracy.
PRIA

महिला समूह के साथ टूटे फर्श पर बैठकर चर्चा

Azim Premji Philanthropic Initiatives

dasra

सिंगोद खुर्द ग्राम पंचायत जयपुर जिले से 60 किमी, तहसील चौमू से 23 किमी और गोविन्दगढ से लगभग 20 किमी दूर स्थितहै। लगभग 6000 के लगभगग जनसंख्या वाली यह पंचायत राष्ट्रीय राजमार्ग 11 से 5 किमी अन्दर स्थित है। इस पंचायत की एतिहासिक पृष्ठ भूमि के साथ एक कहानी जुडी हुई है।

प्राचीन काल में यह सिंधानगरी के नाम से जानी जाती थी और यहा पर राजपूतो का ही बाहुल्य था। प्राकृतिक आपदा आने पर यह गावं पूरी तरह से तहस नहस हो गया था, बस इस पूरे गांव में केवल दो ही भाई बचे थे और वो यहा पर स्थित शेषनाग भगवान मदिंर के पास रहने लगे। दोनो भाई धीरे धीरे इस गावं को दुबारा बसाने लगे। पूरी तरह बस जाने के बाद दोनो भाईयों ने इसे दो भागों में बॉट लिया। बडे भाई के हिस्से में आने वाला गांव सिगोद कला और छोटे भाई के हिस्से में आने वाला गांव सिगोद खुर्द के नाम से जाना गया। इस पंचायत में पाली हाउस (आर्गेनिक खेती) का बहुत ही चलन है

कार्यक्रम का उद्देश्य–
पंचायतों को महिला और बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य के लिये सवेंदनशील बनाने के लिये यह कार्यक्रम गोविन्दगढ की 45 पंचायतों में चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के माध्यम से शोषित और वचिंत लोगो तक स्वास्थ्य और पोषण से जुडी सेवाओं की पहुंच को सुनिश्चित करने के साथ साथ मातृ ,वं शिशु स्वास्थ्य सकेंतकों में सुधार कर पचांयतो को सवेदंनशील बनाना है। इस कार्यक्रम में माध्यम से ग्राम पंचायतों में महिला सभा को बढावा देना, ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता,पोषण ,वं पेयजल समिति और सामाजिक न्याय समिति को मजबूत कर उन्हे क्रियाशील बनाना है । इसी को ध्यान में रखते हुये प्रिया ने गोविन्दगढ की सिंगोद खुर्द में पचांयत में अपना हस्तक्षेप प्रारम्भ किया।

गोविन्दगढ ब्लाक में पहले भी काम कर चुकने के कारण प्रिया की पहचान यहां सब ग्राम पंचायत में नजर आती है तो उसी को आगे बढाते हुये यहा प्रिया ने अपना हस्तक्षेप प्रारम्भ किया।

महिला समूह के साथ चर्चा करने पर निकल कर आने वाली प्रमुख चुनौतिया–

- ☐ आंगनवाडी भवन की जर्जर स्थिति।
- ☐ आंगनवाडी में शौचालय का अभाव।
- ☐ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में क्वॉटर की व्यवस्था नही होना।
- ☐ सरकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार नही होना।
- ☐ ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता, पेयजल ,वं पोषण समिति की बैठक नियमित नही होना।
- ☐ सरपंच को स्वास्थ्य और पोषण से जुडी सेवाओं को बेहतर बनाने के लिये जानकारी का अभाव ।
- ☐ सरंपच के रोड, भवन निमाण व अन्य सारी योजनाओं का लाभ दिलाने में बहुत सक्रिय होने के बाद भी उनका बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की तरफ ध्यान कम होना।

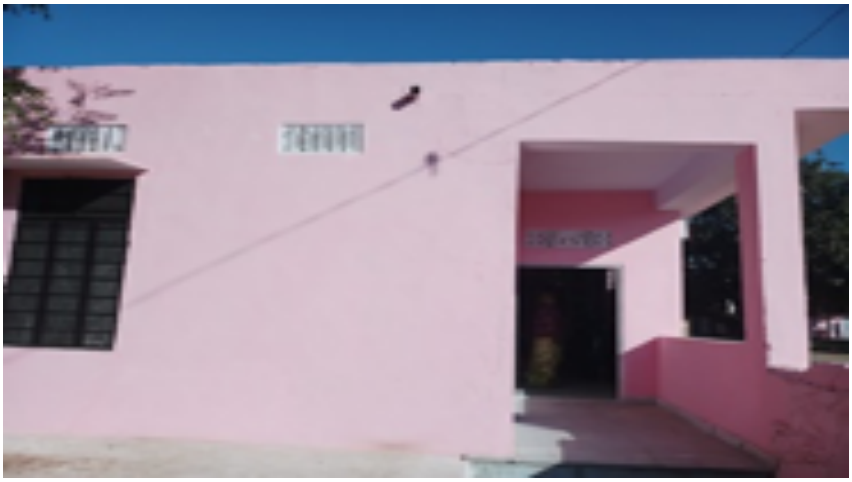

आंगनवाडी केन्द्र की बाद की स्थिति

इन चुनौतियों के कारण महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य पर प्रभाव एक नजर में–

☐ आंगनवाडी भवन की हालत सही नही होने के कारण वहां मिलने वाली सुविधायें और सेवायें प्रभावित हो रही थी।

☐ क्वार्टर की व्यवस्था नही होने के कारण रात में चिकित्सा सेवाओं का समुदाय के लोगों को नही मिल पा रहा था।

☐ ग्राम पंचायत से जुडे हुये लोगो की भागीदारी नहीं थी क्यों कि गांव में किसी भी प्रकार की समिति सक्रिय नही थी। जिससे लोग स्वयं की भूमिका को नही पहचान पा रहे थे।

प्रिया के द्वारा सरपंच के साथ किये गये प्रयास –

☐ पंचायत की होने वाली मासिक बैठक में भाग लेकर सभी पंचायती राज सदस्यों को कार्यक्रम के उद्देश्यों के बारें में जानकारी दी।

☐ आंगनवाडी केन्द्र पर महिला समूह के साथ स्वास्थ्य और पोषण से जुडी सेवाओं पर चर्चा।

☐ सरपंच साहब और अन्य लोगों के साथ नियमित सम्पर्क कर स्वास्थ्य ओर पोषण से जुडी आवश्यकताओं के बारें में समय समय पर चर्चा की। इन आवश्यकताओं की पूरे न होने से होने पाले प्रभावों के बारे में उन्हे समझाते रहे।

☐ सरपंच के साथ नियमित मुलाकात कर महिला और बच्चों के स्वास्थ्य से जुडे मुद्दो पर उनसे चर्चा करते रहे और ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता समिति के महत्व को भी बताया गया।

☐ आशा के साथ मिलकर ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता, पेयजल एवं पोषण समिति को सक्रिय कर उसकी बैठक को नियमित करवाया।

☐ आंगनवाडी केन्द्रो पर आयोजित होने वाली कार्यक्रमों में जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति के महत्व को भी बताया गया।

सरपंच साहब का अनुभव–

जब सरपंच साहब से प्रिया के साथ काम करने के अनुभवों के बारें में बात की गई तो वो बहुत ही आत्मविश्वास से कहते है कि –

"मैं और मेरा परिवार पिछले कई वर्षो से राजनीति से किसी न किसी रूप से जुडा हुआ है तो यह हमारे लिये नया नही है पर जो जानकारी हमें प्रिया की रेखा जी के द्वारा दी गई वो हमें पहले नही थी। यह सही है कि सभी सरपंच निर्माण कार्य की तरफ रूचि रखते है पर यह बात भी उतनी सही सही है कि कोई भी विभाग उन्हे अन्य जिम्मेदारी का अहसास दिलाने के लिये कार्य नही करना चाहता है। यहां तक स्वंय सेवी संस्थाये भी नहीं। जब तक जानकारी नही थी तब तक मैने आंगनवाडी और अन्य सुविधाओं के बारें मे सोचा नही था पर अब लग रहा है कि पंचायत के चहुँमुखी विकास के लिये समुदाय का स्वस्थ रहना बहुत जरूरी है। प्रिया के साथ का अनुभव अलग और बहुत ही अच्छा है। मुझे पता ही नही था कि इतना सब कुछ करवाने के बाद भी मुझे आंगनवाडी और अन्य स्वास्थ्य से जुडी सेवाओं और ईकाईयो के लिये काम करना है "।

सरपंच के द्वारा किये गये कार्यो का पंचायत पर प्रभाव

☐ जर्जर अवस्था वाले आंगनवाडी केन्द्र का रंग रोगन करवा कर सही करवाया गया। यह अब पहले से बहुत ही अलग नजर आता है। जिससे अब आंगनवाडी सेवाओ का लाभ अधिक महिलाओं और बच्चों को मिल रहा है। महिलायें अब यहा आकर आराम से बैठ कर अपनी बात कहती है और आंगनवाडी पर मिलने वाली सेवाओं का लाभ ले पा रही है।

☐ वर्षो से बन्द शौचालय को आंगनवाडी केन्द्र के लिये खुलवाकर उसकी चाबी भी कार्यकर्ता को दी गई। जिसका लाभ अब न केवल बच्चे बल्कि वहां कार्यरत स्टाफ ले रहा है।

☐ ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता, पोषण एवं पेयजल समिति की बैठक होने से पंचायत के अन्य लोगों में पंचायत के विकास में अपनी भागीदारी को समझने लगे है और आने वाले समय में इस समिति की सहायता से ही ग्राम पंचायत में जागरूकता अभियान चलाया जायेगा।

☐ सरंपच साहब अब माह में ,क बार आंगनवाडी और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर भी जाने लग गये है। वहां मिलने वाली सेवाओं की गुणवत्ता पर ध्यान देने की बात करते हैं।

आने वाले समय में सरपचं की प्राथमिकताये–

जब श्री त्रिलोक जी से उनकी प्राथमिकताओं के बारें में बात की गई तो वो कहते है कि पहले लगता था कि सडक, पानी बिजली आदि में सुधार होना ही विकास कहा जाता है पर प्रिया के सम्पर्क में आने बाद मुझे अहसास हुआ कि विकास तब तक विकास नही कहा जा सकता जब तक हम बेहतर स्वास्थ्य को सुनिश्चित नही करते। वो आगे बताते है वो अपनी प्राथमिकताये कुछ इस तरह गिनाते है–

☐ वार्ड सभा का आयोजन कर वहां के स्वास्थ्य और पोषाहार से जुडी समस्याओं को दूर करना।

☐ प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रो व आंगनवाडी केन्द्रो पर सुविधाओं को बढाना।

☐ खेल अकादमी खोलना।

☐ विभागों के द्वारा संचालित योजनाओं का प्रचार प्रसार कर सभी वर्गो की पहुंच को सुनिश्चित करना।

पंचायत से जुडे लागों के सरपंच जी को लेकर अनुभव

आंगनवाडी में होने वाले सुधार के लिये जब लेडीज सुपरवाईजर श्रीमति सरला उदावत से बात की तो वो सरपंच साहब की भूमिका की तारीफ करते हुये कहती है कि – "सरपंच साहब वैसे तो सभी समस्याओं को दूर करने के लिये हमेंशा तैयार रहते है पर प्रिया के हस्तक्षेप के बाद इनकी चिन्ता बेहतर स्वास्थ्य सेवाये मुहैया करवाने को लेकर बढ गई है। अब उनका ध्यान इस बात पर भी है कि कोई भी बच्चा पोशाहार, टीकाकरण से वचिंत न रहे।"

आंगनवाडी केन्द्र पर अपने बच्चे के लिये पोषााहार लेने आनी वाली श्रीमति कमला देवी कहती है कि अब यहां आने में अच्छा लगता है और यह साफ सुथरा भी रहने लगी है। वो कहती है कि अगर सभी आगनवाडी ऐसी ही हो जाये तो यहां सभी बच्चों को भेजने लगेगे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर कार्यरत एनम श्रीमति शंकुतला देवी कहती है कि क्वार्टर की व्यवस्था होने से अब यहां रात को भी चिकित्सा सेवाये मिल पाती है और प्रिया की भूमिका को इसमें नकारा नही जा सकता हैं। सरपंच साहब अब टीकाकरण और संस्थागत प्रसव के बारें में पूछते रहते है।

यहां के सरपंच गांव के विकास के लिये किसी भी माध्यम से काम करने में विश्वास रखते है। वो स्वंय भी इस बात को कहते है कि सरपंच किसी न किसी राजनैतिक दल से जुडा रहता है पर उन्हे इस बात का ध्यान रखना चाहिये कि राजनीति से ग्राम पंचायत का विकास प्रभावित न हो। वो अपनी बात को आगे बढाते हुये कहते है कि अपनी सोच और व्यवहार के दम पर सरपंच किसी भी काम को करवा सकता है राजनीति उसे काम करने से नही रोक सकती है। सरपंच महिला सभा के आयोजन के बारें में बात करते हुये कहते है कि यहां होने वाली ग्राम सभा में महिलायें बहुत अधिक संख्या में भाग लेती है इसलिये कभी जरूरत महसूस नही हुई। अगर महिला सभा कराने से कुछ नई बात निकल कर आ सकती है तो वो अगली ग्राम सभा से पहले महिला सभा कराने की बात करते हैं।

सरपंच अब महिलाओं ओर बच्चों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिये कृत सकंल्प दिखाई देते है। बहुत ही हंसमुख और मिलनसार होने के कारण सभी वर्ग के लोगों की पहुच बहुत आसान है। महिलायें खुल कर अपनी बात कह पाती हैं। प्रयासों की गंभीरता का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि वो खेल अकादमी खोलने और प्रतिवर्ष स्वास्थ्य जांच शिविर लगवाने के प्रयास कर रहे है। इस बारे में बताते हुये वो कहते है कि –

"खेल बच्चों के सर्वागीण विकास के लिये बहुत जरूरी है और आजकल गावों के बच्चे भी राष्ट्रीय स्तर पर न केवल अपने गांव का बल्कि अपने देश का नाम रोशन कर रहे है। वहीं अच्छा स्वास्थ्य आज की मांग ही नहीं बल्कि जरूरत भी है। इसलिये वो आने वाले समय में यहा पर सभी के स्वास्थ्य की जांच और आम योजनाओं का लाभ सभी को मिले इसके लिये शिविर लगवाने के लिये प्रयास जारी है वो कहते है कि जब तक यहां के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाये नही मिलगी तब तक विकास की बात करना बेमानी होगा"

This case study was written by Subodh Kumar Gupta, Program Officer for PRIA's "Reforming Local Governance For Responsive And Effective Service Deliveries In Selected Blocks Of Rajasthan" Project, in Partnership with Azim Premji Philanthropic Initiatives (APPI) and Dasra.